an>

Title: Issue regarding compensations and rehabilitation programmes in National Calamities.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : वैसे कई बार इस सदन में पहले भी ऐसा हुआ है। आप भी जब इधर थे, उस वक्त भी क्लैरीफिकेशंस पूछे गये हैं। यह नयी बात नहीं है, इसलिए मैं आपसे अपील कर रहा था। यह एक रिहैबिलिटेशन का प्रोग्राम है। एक बहुत बड़ी दुर्घटना हुई है, नैचुरल कैलेमिटी है तो हम यही पूछना चाहते थे कि रिहैबिलिटेशन कैसा किया गया है, कितना पैसा सैण्ट्रल गवर्नमेंट से दिया गया है, स्टेट गवर्नमेंट का कंट्रीब्यूशन कितना है तो ये सब क्लैरीफिकेशंस, जो फर्स्ट हैंड इन्फोर्मेशन उनके पास थी, क्योंकि, वे खुद उस स्थल पर गये थे और उन्होंने वहां सब देखा है तो इसीलिए I just wanted to know as to what compensation is given and what the rehabilitation programmes are. That is what I wanted to ask; nothing else. और वे चले भी गये। अगर आप एक मिनट का समय दे देतीं तो इतना हाउस का समय बर्बाद नहीं होता और इस पर कोई चर्चा करने की आवश्यकता ही नहीं थी। आप जानती हैं कि नेशनल कैलेमिटी फंड में पैसा सैण्ट्रल गवर्नमेंट देती है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसमें नहीं होता है। वे पैसा देंगे न। मैं चर्चा के लिए मना नहीं कर रही हूं।

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : और वह पूछना हमारा हक है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No clarification on it. I cannot allow it.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप तो कृपा करके बैठिये, समझिये। जरा सभा को समझिये, प्लीज़ बैठिये।

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : वह कमेटी जब बनी है तो उस कमेटी की रिपोर्ट यहां आनी चाहिए।

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्षा जी, मैं एक निवेदन करना चाहता हूं...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नहीं, हर एक का निवेदन नहीं होता है। वे बोल रहे हैं। Do you want to have a discussion on it.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: He is not giving any clarification.

...(*Interruptions*)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : यह मेरा हक नहीं है, यह चेयर को डिसाइड करना है न।..(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: क्लैरीफिकेशन कुछ नहीं दे रहे। जब मैंने रूलिंग दी है तो ऐसा नहीं होता है।

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am not commenting anything on the ruling or advice given by the Speaker.

I would like to humbly submit to the House that this Government is sensitive. The moment we came to know of the incident, I discussed the matter with the hon. Prime Minister. The Prime Minister directed the Home Minister to go and visit the place. He has visited the place and come back. We had a discussion on it. The hon. Home Minister told me that he wanted to make a Statement about his visit and about what happened there. He made a Statement in the House. Some hon. Members have some doubts in this regard. I would like to say that there is no such practice as far as Lok Sabha is concerned or there is no such rule by the Chair. My suggestion would be that the Minister has not gone away because of any disrespect to the Opposition Members. He is making a Statement about this incident in the other House, which is slated at 12:30 pm. We had said in the other House that as soon as the Statement is over in the Lok Sabha, he would come back to the Rajya Sabha. So, he has gone there.

I request the leader of the Congress Party or other friends, who want to discuss this issue – I do agree that this is a very serious issue and we should discuss it – to give us a notice and let the Chair admit it. We will discus it definitely. I will convey it to the Home Minister. ...(*Interruptions*)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : अध्यक्ष महोदया, मैं एक निवेदन करना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष : नहीं, अब यह विषय यहीं समाप्त हो गया। ज्योतिरादित्य जी, ऐसा नहीं होता है।

आपकी पार्टी के लीडर बोल चुके हैं।

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : हर समय आप मुझे सजेशन देना चाहें, तो दूसरा स्पीकर चुन लीजिए और आ जाइए यहां पर। This is not the way. I am sorry.

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : कोई नहीं बोलेगा।

â€¦(<u>व्यवधान</u>)

HON. SPEAKER: I am sorry. No.

...(*Interruptions*)

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Madam, I have given a notice. I am on a point of clarification. I would like to know ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : श्री रामेश्वर तेली।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जो भी जीरो ऑवर की नोटिसेज आयी हैं, उन्हीं को ले रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जिनकी नोटिस हैं, उनको बोलने का समय दे रही हूं।

â€¦(व्यवधान)